नैक द्वारा 'बी' ग्रेड प्रत्यायित

# महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय

## जंगल धूसड़- गोरखपुर

मो. : 7897475917, 9794299451

Website: www.mpm.edu.in

E-mail : mpmpg5@gmail.com

स्थापित २००५ ई.

पत्रांक : .....

दिनांक : 10.09.2018

# प्रकाशनार्थ

महाराणा प्रताप पी0जी0 कालेज, जंगल धूसड़, में पंडित गोविन्द बल्लभ पंत जयन्ती पर आयोजित सभा में व्याख्यान देते हुए प्राणि विज्ञान विभाग के प्रवक्ता श्री नवनीत कुमार ने कहा कि पंडित गोविन्द बल्लभ पंत प्रसिद्ध स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, वरिष्ठ भारतीय राजनेता थे। वे उत्तर प्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री थे उन्होने भारत के गृहमंत्री के रूप में भी कार्य किया था। भाषा के आधार पर राज्यो का विभाजन करना तथा हिन्दी को भारत की राजभाषा के रूप में प्रतिष्ठित करना उनके मुख्य योगदान के रूप में जाना जाता है। स्वतंत्रता संघर्ष के दौरान पंत जी ने क्रांतिकारियों का जी जान से सहयोग किया उनके मुकदमे लड़े। काकोरी काण्ड के दौरान मुकदमें की पैरवी में भी पंत जी ने सहयोग किया। राम प्रसाद विस्मिल तथा अन्य क्रान्तिकारी साथियों को फाँसी के फन्दे से बचाने के लिए उन्होंने मालवीय जी के साथ वायसराय को पत्र भी लिखा यद्यपि किन्ही कारणों से उन्हे कामयाबी नही मिल सकी। पंत जी ने नमक सत्याग्रह में भाग लिया जिससे उन्हे जेल भी जाना पड़ा। श्री नवनीत कुमार ने बताया कि पंत जी ब्रिटिश भारत में संयुक्त प्रांत के पहले मुख्यमंत्री बनें तथा जब भारत वर्ष का अपना संविधान बन गया और संयुक्त प्रांत का नाम बदल कर उत्तर प्रदेश रखा गया तो फिर उन्हे तीसरी बार इस पद के लिए सर्व सम्मति से उपयुक्त पाया गया। पंत जी 1954 तक उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे। सरदार पटेल के मृत्यु के बाद उन्हे गृहमंत्री का दायित्व दिया गया। अपने कार्यकाल के दौरान ही 7 मार्च 1961 को पंचतत्व में विलीन हो गये।

कार्यक्रम में श्री नन्दन शर्मा, श्री सुबोध कुमार मिश्र, डॉ. शिव कुमार बर्नवाल, डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव, डॉ. हरविन्द कुमार श्रीवास्तव, डॉ. हनुमान प्रसाद उपाध्याय, सुश्री रचना सिंह, श्रीमती साधना सिंह, श्रीमती किरन सिंह, सुश्री पल्लवी नायक, सुश्री नूपुर शर्मा, श्री प्रदीप वर्मा, सुश्री शालू श्रीवास्तव, श्री गौरव तिवारी, श्रीमती पुष्पा निषाद सहित शिक्षक विद्यार्थी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

**(डॉ. राजेश शुक्ला)**

सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी